**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding review of Central Schemes under 'DISDHA'.

**श्री सय्यद ईमत्याज़ जलील** (**औरंगाबाद**): अध्यक्ष महोदय, मैं एक मुद्दे के ऊपर आपका संरक्षण चाहता हूं । मैं जिस चुनावी क्षेत्र औरंगाबाद से आता हूं, वहां से दो मंत्री बनाए गए हैं, डॉ. भागवत कराड और दूसरे रावसाहेब दादाराव दानवे हैं । आपको पता है 'दिशा 'एक इम्पॉर्टेंट कमेटी है, जिसमें केन्द्र सरकार की स्कीम्स को मोनिटर करते हैं । चूंकि अब वे ज्यादा वक्त नहीं दे पाते हैं, इसलिए `दिशा` की मीटिंग नहीं हो पाती है । मैं आपको एक छोटा सा उदाहरण देना चाहता हूं, मेरे साथ जगदम्बिका पाल साहब यहां बैठे हुए हैं जो सीनियर सदस्य हैं, अर्बन डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन हैं ।

महोदय, मैं जब यहां आ रहा था तो रिव्यू ले रहा था कि प्रधानमंत्री आवास योजना का मेरे चुनावी क्षेत्र में क्या स्थिति है? कुल 52 हजार लोग एलिजेबल हुए थे, लेकिन अभी तक 355 लोगों को मिला है । मुझे यह बताते हुए खुशी है कि पूरे महाराष्ट्र के अधिकारियों को समन किया, चूंकि हम उसका रिव्यू लेकर आए थे, आज 50 हजार लोगों को मेरे चुनाव क्षेत्र में जमीन देना महाराष्ट्र सरकार ने तय किया है । यह एक बहुत बड़ा काम है । मैं आपका संरक्षण चाहता हूं कि अगर मंत्री बन गए हैं तो मंत्री कभी भी रिव्यू ले सकता है । उनके मंत्री बनने से मुझ जैसे सांसद का नुकसान हो रहा है कि मैं केन्द्र सरकार की कमेटी का रिव्यू नहीं कर पाता हूं, उनके प्रोग्राम का रिव्यू नहीं कर पाता हूं ।

मैं चाहता हूं कि कुछ इस तरह का इंतजाम किया जाए कि अगर मंत्री बन गए हैं तो वे जब चाहे मीटिंग बुला सकते हैं । जैसा भी रिव्यू लेना चाहे, जब लेना चाहे तब रिव्यू ले सकते हैं । लेकिन उस प्रोसिजर के जरिए हम जैसे लोगों का बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है । इसके जरिए सेंट्रल गवर्नमेंट की स्कीम्स हैं, हम उसके साथ इंसाफ नहीं कर पा रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे हाथ जोड़ कर विनती करूंगा । इसके साथ-साथ सेंट्रल गवर्नमेंट की 50 पाइंट्स माइनॉरिटी डेवलपमेंट की भी मीटिंग पिछले डेढ़ साल से नहीं हुई है । यह पूरे हिन्दुस्तान के अंदर ऐसा है । मैं चाहूंगा कि ये दोनों मीटिंग रेग्युलर बेसिस पर करवाने के लिए आपकी तरफ से कोई एक आदेश जारी किया जाए । धन्यवाद ।

**माननीय अध्यक्ष :** माननीय मंत्री जी, दिशा की मीटिंग ठीक से हो जाए, दिशा की मीटिंग में सब अधिकारी आएं और उसका एजेंडा ठीक से बने, उसके बारे में समय-समय पर आप सर्कुलर निकालते हैं, लेकिन इसका रिव्यू आप सभी डिपार्टमेंट्स से बात करके कीजिए ।

**ग्रामीण विकास मंत्री तथा पंचायती राज मंत्री (श्री गिरिराज सिंह)** : अध्यक्ष महोदय, इस विषय को सदन में अधीर रंजन जी ने भी उठाया है और अन्य माननीय सदस्य भी इसे उठा रहे हैं । आज मैं बड़े ही भारी मन से कह रहा हूं कि पूरे देश में 'दिशा 'की जितनी बैठकें होनी चाहिए, उसकी एक चौथाई बैठकें हो रही हैं ।

आप जैसा दिशा-निर्देश देंगे, क्योंकि जो 'दिशा ' की मीटिंगआहूत करते हैं, वह चेयरमैन करते हैं, लेकिन कलेक्टर के ऊपर भी उसका दायित्व होता है । अगर आपका दिशा-निर्देश है, तो सब कमेटी, डीओपीटी, आरडी के सचिव वगैरह मिलकर इसका कुछ रास्ता निकाल सकते हैं ।

**माननीय अध्यक्ष** : ठीक है ।